**BA BED 6 SEM**

**EDUCATION**

**UNIT 5**

ALKA ASATI

 **बहुलांक Mode**

किसी भी आवृत्ति वितरण में बहुलांक मान वह मान है जिसकी आवृत्ति सर्वाधिक होती है।

गिलफोर्ड के अनुसार–

“किसी वितरण में वह बिन्दु जिसकी आवृत्ति सर्वार्धिक हो, बहुलांक कहलाता है।“

“the mode is strictly defined as the point on the scale of measurement with maximum frequently in a distribution”

उदाहरण के लिए-

आवृत्ति वितरण 1, 2, 2, 4,9, 6, 16, 18, 2, 13, 2, 2, 45, 2 में बहुलांक ज्ञात कीजिए।

इस आवृत्ति वितरण में 2 की आवृत्ति सर्वार्धिक बार है अतह 2 बहुलांक Mode है।

**बहुलांक के गुण Merits of Mode**-

1.गणना करना सबसे सरल है।
2.सीमान्त पदों के बिना भी गणनीय है
3.इसकी गणना में केवल अधिकतम केन्द्रीयकरण का बिन्दु ज्ञात होना ही पर्याप्त है।

**बहुलांक के दोष Demerits of Mode**-

1.प्राप्त परिणाम संदेहास्पद होता है।
2.अनिश्चित व सबसे अपरिभाषित विधि है।
3.इसकी गणना समस्त मूल्यों पर निर्भर नहीं होती है, इसकी गणना करनें के लिए केवल सर्वार्धिक आवृत्ति वाले मूल्य का ही मान ज्ञात होना पर्याप्त है।

बहुलक श्रेणी का वह मूल्य है जो श्रेणी में सबसे अधिक बार आता है अर्थात जिसकी आवर्ती सर्वाधिक बार होती है
1.व्यक्तिगत श्रेणी में निरीक्षण द्वारा ,श्रेणी को विभिन्न श्रेणी में बदलकर
2.खण्डित श्रेणी में निरीक्षण द्वारा आवर्तियो के सामूहिकरण द्वारा ,घनत्व द्वारा किया जाता है
3.वर्गीकृतश्रेणी में वर्गों अपवर्जी होना आवश्यक है तथा तीनो वर्गीकरण में समान हो

 Mode सब्द का प्रयोग फ्रेंच भाषा के LA mode से लिया गया है सकेन्द्रनन बिंदु ही mode है

मौसम सम्बंधित जानकारी बहुलक द्वारा प्राप्त होती है